IWWAGE
Institute for What Works to Advance Gender Equality

LEAD LEVERAGING EVIDENCE FOR ACCESS AND DEVELOPMENT
KREA UNIVERSITY

जेंडर इन फोकस

जनवरी 2025
खंड 9

प्रिय साथियों,

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की और से हार्दिक अभिनंदन

जेंडर इन फोकस के नौवें संस्करण में आपका स्वागत है, जिसमें हाल की उपलब्धियों और गहरी समझ पर प्रकाश डाला गया है। यह जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पिछले छह महीने आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) के लिए बहुत सफल रहे हैं। हमें यूएनईएससीएपी (UNESCAP) और यूएन वूमेन (UN Women) के द्वारा "एशिया-प्रशांत देखभाल चैंपियन 2024" के रूप में मान्यता दी गई। यह पुरस्कार हमें देखभाल प्रणालियों को मजबूत करने और सामाजिक प्रगति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करने के लिए प्रेरित करता है।

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) को SAHIT पुरस्कार उत्कृष्ट शोध के लिए मिला, जो महिलाओं के उद्यमिता और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता व सशक्तिकरण पर हमारे सहयोगी काम को पहचान देता है । यह पुरस्कार हमारे साझे प्रयासों को मान्यता देता है, जो हमने इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज ट्रस्ट (ISST) और द क्वांटम हब (TQH) के साथ मिलकर किए हैं।

इसके अतिरिक्त, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) संचालन समिति ने 2024-29 के लिए मिशन, विजन और रणनीति को मंजूरी दी, जो हमें अगले पांच वर्षों के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन और रोडमैप प्रदान करती है।

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) ने जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए डीएवाई-एनआरएलएम (DAY-NRLM) के साथ मिलकर काम करना जारी रखा। राष्ट्रीय जेंडर मुख्यधारा सम्मेलन में ग्रामीण विकास मंत्रालय के काम में जेंडर को प्रभावी ढंग से शामिल करने के तरीके पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ, एनआरएलएम (NRLM), एसआरएलएम (SRLM), और सीएसओ (CSO) भागीदार आदि एकजुट हुए। पांचवें जेंडर संवाद और नई चेतना 3.0 (जेंडर अभियान) कार्यक्रमों के शुभारंभ ने जेंडर असमानताओं को दूर करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

भविष्य को देखते हुए, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) एक अधिक समतापूर्ण समाज बनाने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध है। हम इस परिवर्तनकारी यात्रा में हमारे साथ जुड़ने के लिए अपने भागीदारों, हितधारकों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

हमें उम्मीद है कि, आपको न्यूज़लेटर का यह संस्करण बेहद उपयोगी और जानकारीपूर्ण लगेगा। हम आपकी टिप्पणियों और प्रतिक्रिया का स्वागत करते हैं। आप हमसे communications-iwwage@ifmr.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

सादर,

राधा चेलप्पा
कार्यकारी निदेशक,
इंस्टीट्यूट फॉर व्हाट वर्क्स टू एडवांस जेंडर इक्वैलिटी (IWWAGE)

सम्मान एवं पुरस्कार

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) को वैश्विक देखभाल चैंपियन के रूप में मान्यता मिली

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) देखभाल प्रणालियों को बेहतर बनाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शोध पर आधारित नीतियों को बढ़ावा देता है। यूएनईएससीएपी (UNESCAP) और यूएन वूमेन (UN Women) द्वारा केयर चैंपियन, 2024 के रूप में मान्यता-प्राप्त करना हमारे लिए सम्मान की बात है। यह पुरस्कार साझेदारी बनाने और जेंडर से जुड़ी समस्याओं का समान रूप से समाधान करने के हमारे प्रयासों को मान्यता देता है।

भारत में, अधिकांश महिलाएँ बिना किसी मेहनताना के घर की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती हैं। घर पर इन जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करके और संस्थागत सहायता प्रदान करके, हम उन्हें सशक्त बना सकते हैं।

एक न्यायसंगत प्रणाली बनाने के लिए, हम महिलाओं को सुविधानुसार कार्य करने का विकल्प देकर, किफायती बाल देखभाल और सशुल्क देखभाल अवकाश प्रदान करने जैसी नीतियां बनाने का समर्थन करते हैं। देखभाल अर्थव्यवस्था में निवेश करने से महिलाओं के लिए अच्छे रोज़गार पैदा हो सकते हैं और बेहतर देखभाल सेवाओं की बढ़ती माँग को पूरा किया जा सकता है।

इस ज्ञानवर्धक वीडियो में हमारी टीम को देखभाल कार्य के बारे में अपने विचार साझा करते हुए देखें!

वीडियो देखें हमारी टीम के सदस्य देखभाल के काम के बारे में इस ज्ञानवर्धक वीडियो में बात करते हुए!

महिला उद्यमिता पर अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) को सम्मानित किया गया

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) ने शोध में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित साहित (SAHIT) पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज ट्रस्ट (ISST) और द क्वांटम हब (TQH) के साथ संयुक्त रूप से हमारे काम को मान्यता देता है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फिक्की (FICCI) की वूमेन इन वर्कफोर्स रिपोर्ट के लिए किए गए हमारे शोध से पता चला है कि महिला उद्यमिता कैसे सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसने महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों का खुलासा किया, जैसे कि अनौपचारिक रूप से काम करना और संसाधनों तक बहुत कम पहुँच होना।

इन चुनौतियों से पार पाने के लिए हम, कौशल प्रशिक्षण का विस्तार करने, महिलाओं को पारंपरिक क्षेत्रों से अलग हटकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करने, डिजिटल तकनीक का प्रयोग करने और वित्तीय ज्ञान में सुधार करने का सुझाव देते हैं।

श्रम बाजार में महिलाओं को सशक्त बनाकर, भारत महत्वपूर्ण आर्थिक क्षमता का विस्तार कर सकता है और एक उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

जेंडर समानता के प्रयासों को 'प्राथमिकता'।

राष्ट्रीय जेंडर मुख्यधारा सम्मेलन

हाल के वर्षों में, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व में दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने अपने कार्यक्रमों में जेंडर समानता को मुख्यधारा में लाने में बहुत प्रगति की है। पूरे भारत में 3,500 से अधिक जेंडर संसाधन केंद्र (GRCs) स्थापित किए गए हैं। "नई चेतना" जैसे अभियान और "जेंडर संवाद" जैसे कार्यक्रमों ने जेंडर आधारित हिंसा (GBV) के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करने में मदद की है।

जेंडर मुख्यधारा पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रगति में सहायक या बाधक कारणों पर चर्चा करने तथा जेंडर-संबंधी पहलों में सुधार के लिए रणनीतियां बनाने के लिए किया गया था। ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) ने 20 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में आई.डब्ल्यू. डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) के सहयोग से दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत राष्ट्रीय जेंडर मुख्यधारा सम्मेलन का आयोजन किया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जेंडर समानता पर विचार करने वाली सामुदायिक संस्थाओं के गठन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया तथा डीएवाई-एनआरएलएम (DAY-NRLM) ढांचे में जेंडर समानता को शामिल करने के लिए रणनीति विकसित की गई। मुख्य चर्चाओं में जेंडर-संवेदनशील सामुदायिक संस्थान बनाने, महिला समूहों को सशक्त बनाने, असमानताओं को दूर करने और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और उनके संघों के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वयं सहायता समूह (SHGs), ग्राम संगठनों (VO) और समूह स्तरीय संघों (CLF) की क्षमता निर्माण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें जेंडर समानता पर आधारित प्रभावी व्यवस्था बनाने, संस्थाओं की क्षमता में सुधार करने, मांग और आपूर्ति दोनों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने, बिना मेहनताना वाले देखभाल कार्यों का समाधान करने और जेंडर समानता को बढ़ावा देने में युवाओं और किशोरों को शामिल करने संबंधी चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

और जानें

नई चेतना अभियान का शुभारंभ: जेंडर आधारित हिंसा को समाप्त करने की दिशा में एक कदम

25 नवंबर, 2024 को केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी राज्य मंत्री ग्रामीण विकास और संचार और श्री कमलेश पासवान, राज्य मंत्री ग्रामीण विकास की उपस्थिति में नई दिल्ली में जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ एक राष्ट्रीय अभियान नई चेतना 3.0 - "पहल बदलाव की" का शुभारंभ किया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत डीएवाई-एनआरएलएम (DAY-NRLM) के नेतृत्व में यह अभियान स्वयं सहायता समूहों और नौ सरकारी मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक महीने तक चलने वाला जमीनी स्तर का आंदोलन है। इस वर्ष का नारा, "एक साथ, एक आवाज़, हिंसा के खिलाफ" पूरे समाज और पूरी सरकार के दृष्टिकोण के माध्यम से सामूहिक कार्रवाई पर जोर देता है।

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें अवधारणा नोट का मसौदा तैयार करना, आईईसी (IEC) सामग्री को डिजाइन करना, आकर्षक सोशल मीडिया सामग्री तैयार करना और अभियान प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) विकसित करना शामिल है। आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) ने अभियान के प्रभाव का आकलन करने, इसकी प्रभावशीलता और पहुँच सुनिश्चित करने के लिए एक अध्ययन भी किया है।

अपने पिछले संस्करणों की सफलताओं, जिसने देश भर में लाखों लोगों को संगठित किया, के आधार पर नई चेतना 3.0 का उद्देश्य जेंडर-आधारित हिंसा के सभी रूपों से मुक्त समाज को बढ़ावा देना, लोगों को बोलने, कार्रवाई की माँग करने और हिंसा की पहचान करने और उससे निपटने के लिए स्थानीय संस्थानों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

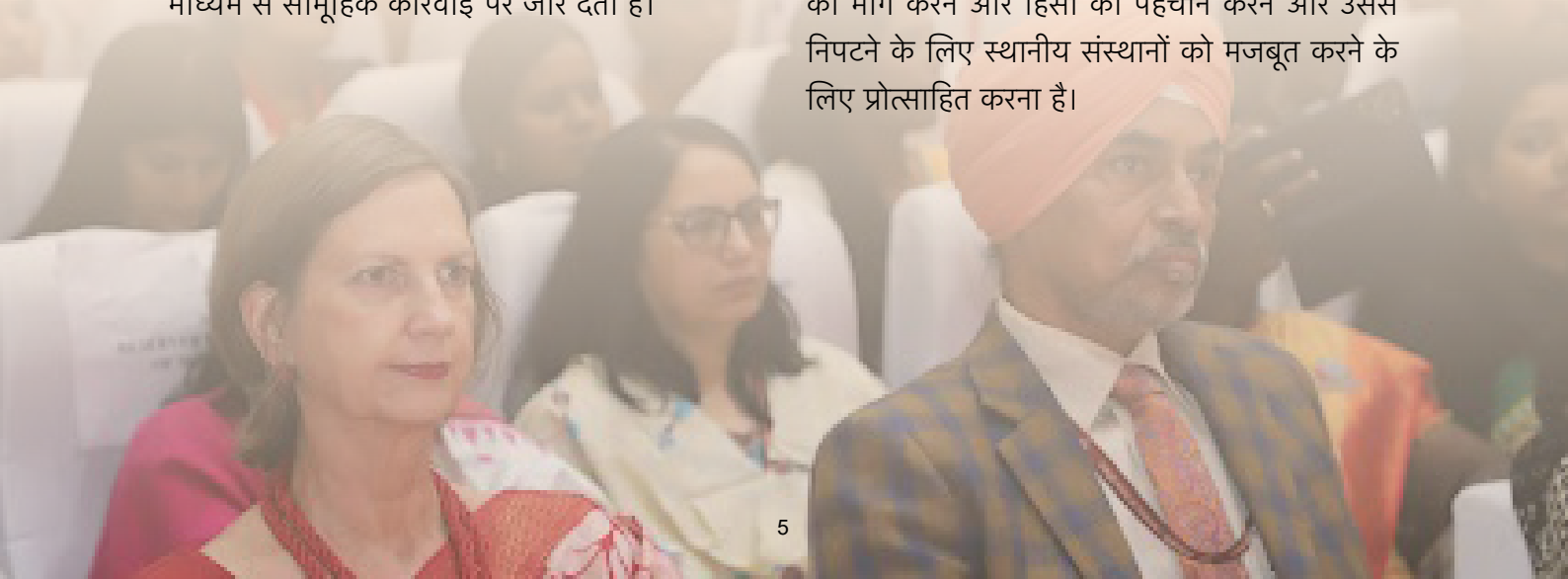

साक्ष्य को प्राथमिकता

महिलाओं के कार्य को बेहतर मापने के प्रयास: आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) अध्ययन से प्राप्त जानकारियां

जानें कि काम को फिर से परिभाषित करके और उसका आकलन करने के तरीकों में सुधार करके महिलाओं के आर्थिक योगदान को कैसे बेहतर ढंग से उजागर किया जा सकता है।

भले ही महिलाएँ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, लेकिन पारंपरिक श्रम सर्वेक्षणों में उनके काम को अक्सर कम करके आंका जाता है। ऐसा पक्षपातपूर्ण डेटा संग्रह, काम की संकीर्ण परिभाषाओं और सामाजिक धारणाओं के कारण होता है जो आर्थिक और बिना मेहनताना वाले घरेलू काम और देखभाल जैसी गैर-आर्थिक गतिविधियों के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं।

इससे निपटने के लिए, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) ने कर्नाटक और झारखंड में एक अभूतपूर्व अध्ययन किया। उन्होंने नए तरीकों का उपयोग करके 4,000 महिलाओं और 800 पुरुषों का सर्वेक्षण किया। अध्ययन में कामकाज की व्यापक परिभाषाओं का उपयोग किया गया, ट्रैक किया गया कि विभिन्न गतिविधियों पर समय कैसे व्यतीत किया जाता है, समानांतर पुरुष सर्वेक्षणों के माध्यम से पूर्वाग्रह को मापा गया। निष्कर्षों से पता चला कि पारंपरिक सर्वेक्षणों की तुलना में रोजगार में लगी महिलाओं का अनुपात अधिक है और इस बात पर प्रकाश डाला कि पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग डेटा को कैसे प्रभावित करती है।

अध्ययन के परिणाम 24 जुलाई, 2024 को आयोजित कार्यशाला "महिलाओं के कामकाज़ को बेहतर ढंग से समझना" में साझा किए गए। सत्र का संचालन आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की कार्यकारी निदेशक राधा चेलप्पा और लीड (LEAD) के शोध निदेशक सांतनु प्रमाणिक ने किया। इसमें नीति निर्माताओं और हितधारकों को जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए उपयोगी विचार प्रदान किए, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

रिपोर्ट पढ़ें!

1. **आकलन करने वाले उपकरणों में सुधार:** महिलाओं के कामकाज की बदलती प्रकृति को बेहतर ढंग से समझने के लिए समय उपयोग सर्वेक्षणों को नियमित रूप से अपडेट करना तथा मौसमी कामकाज़ और पलायन से संबंधित डेटा जोड़ना।

2. **देखभाल कार्य का मूल्यांकन:** राष्ट्रीय लेखा प्रणाली में उल्लिखित बिना मेहनताना वाले देखभाल कार्य का मूल्यांकन करने और उसे महत्व देने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना।

3. **रोजगार और कार्य को पुन: परिभाषित करना:** 19वें आईसीएलएस (ICLS) सम्मेलन के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, कामकाज़ की परिभाषाओं का विस्तार और सामंजस्य स्थापित करना।

4. **रूढ़िवादी धारणा से निपटना:** पूर्वाग्रहों से निपटने की तत्काल आवश्यकता है जो महिलाओं की कार्यबल भागीदारी के डेटा अनुमानों को प्रभावित कर सकते हैं।

अधिक जानें

भारत में गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल के लिए स्थायी समाधान

मोबाइल क्रेच के सहयोग से किए गए एक अध्ययन के आधार पर "भारत में गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल सुविधाओं का वित्तपोषण" रिपोर्ट शहरी झुग्गियों, निर्माण स्थलों और सरकारी परिसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल सेवाओं की स्थापना और उन्हें बनाए रखने के लिए वित्तीय आवश्यकताओं की जांच करती है। यह चार राज्यों में प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास (ECD) बजट का विश्लेषण करता है, क्रेच के लिए प्रमुख व्यय क्षेत्रों की पहचान करता है और लक्षित निवेश की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

रिपोर्ट ईसीडी (ECD) वित्तपोषण और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए सिफारिशें प्रदान करती है, जिसमें परिचालन आवश्यकताओं के साथ वित्तीय संसाधनों को जोड़ने पर जोर दिया गया है। यह भारत की बाल देखभाल प्रणाली को मजबूत करने और बाल विकास परिणामों को बेहतर बनाने के लिए संस्थागत और वित्तीय सहायता बढ़ाने की वकालत करता है।

पूरी रिपोर्ट देखें

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) द्वारा अधिक प्रकाशन देखें

22 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में "भारत में गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल सुविधाओं के वित्तपोषण" विषय पर आयोजित एक प्रसार कार्यशाला में शहरी मलिन बस्तियों, निर्माण स्थलों और सरकारी परिसरों के लिए स्थायी बाल देखभाल समाधानों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ और नीति निर्माता एक साथ आए। इस कार्यक्रम में सुनील कुमार यादव (NULM, MoHUA) द्वारा मुख्य भाषण और रितु दीवान (ISLE) द्वारा विशेष भाषण दिया गया। चर्चाओं में क्रेच मॉडल के लिए वित्तपोषण को शामिल किया गया, जिसका समर्थन ईसीडी (ECD) बजट अध्ययन के निष्कर्षों द्वारा किया गया। कार्यशाला के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

ये सिफारिशें भविष्य की नीतियों को आकार देने में मदद करेंगी जो भारत में गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित होंगी।

1. विभिन्न बाल देखभाल मॉडल के लिए वित्तीय प्रावधानों को सुदृढ़ करना
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास (ECD) पहलों में निवेश बढ़ाना
3. सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों (NGO) और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना
4. बाल देखभाल सुविधाओं को बढ़ाने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना
5. ईसीडी (ECD) वित्त-पोषण और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए डेटा-संचालित दृष्टिकोणों का लाभ उठाना।

कार्यक्रम और वेबिनार

भारत में महिलाओं का कामकाज और ऊर्जा परिवर्तन – खामियां और अवसर

28 नवंबर, 2024 को एएसएआर (ASAR) द्वारा आयोजित जेंडर और न्यायपूर्ण बदलाव पर राष्ट्रीय परामर्श में, राधा चेलप्पा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से महिलाओं और लड़कियों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। जलवायु संकट के कारण महिलाओं को सहज परिवर्तन के लिए सही कौशल के साथ तैयार करना ज़रूरी हो गया है। हालाँकि, जलवायु समाधानों के बारे में निर्णय लेने में अक्सर महिलाओं को छोड़ दिया जाता है, जिससे समस्या और भी बदत्तर हो जाती है। महिलाओं को बिना मेहनताना वाले देखभाल के काम का भी भारी बोझ उठाना पड़ता है, जैसे कि बच्चों, परिवार के बुज़ुर्ग सदस्यों या बीमार या दिव्यांगजनों की देखभाल करना, साथ ही उन्हें बाहरी काम भी करने पड़ते हैं। इससे अक्सर महिलाओं और लड़कियों को स्कूल, प्रशिक्षण या नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसलिए, एक न्यायपूर्ण बदलाव सुनिश्चित करने के लिए, बेहतर देखभाल सुविधाओं में निवेश करना और उन्हें सभी महिलाओं के लिए सुलभ बनाना महत्वपूर्ण है।

और जानें

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) द्वि-मासिक सेमिनार

जेंडर परिवर्तनकारी मूल्यांकन पर संगोष्ठी

11 जुलाई, 2024 को, इंस्टीट्यूट फ़ॉर सोशल स्टडीज़ ट्रस्ट (ISST) की जाह्नवी अंधारिया और अल्पाक्षी कश्यप ने जेंडर परिवर्तनकारी मूल्यांकन पर एक सेमिनार प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि कैसे मूल्यांकन सरकार द्वारा संचालित कार्य से बदलकर एक अधिक समावेशी प्रक्रिया बन गया है जिसमें विभिन्न समूह के लोग शामिल हैं। सेमिनार में परिवर्तन, जो धीरे-धीरे हो सकता है या बाहरी कारकों के कारण हो सकता है, और रूपांतरण, जिसमें आस्था में गहरे बदलाव शामिल हैं, के बीच अंतर पर ध्यान केंद्रित किया गया।

वक्ताओं ने मूल्यांकन में जेंडर समावेशन के पाँच स्तरों के बारे में बताया:

1. **जेंडर भेदभाव:** असमानता को मजबूत करता है।
2. **जेंडर अनदेखी**: जेंडर मानदंडों की अनदेखी करता है।
3. **जेंडर संवेदनशीलता:** जेंडर मानदंडों को स्वीकार करता है लेकिन असमानता को दूर नहीं करता।
4. **जेंडर प्रतिक्रिया:** जेंडर-विशिष्ट जरूरतों का समाधान करता है।
5. **जेंडर परिवर्तनकारी:** शक्ति असंतुलन को चुनौती देता है और समानता को बढ़ावा देता है।

सत्र में आउटपुट पर परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया गया। इसमें सीमित बजट जैसी चुनौतियों और परस्पर-संबंध, निष्पक्षता और मानवाधिकार जैसे तथ्यों पर विचार करने के लिए मूल्यांकन की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

भारतीय श्रम बाजार में रोजगार के रुझान और काम पर लौटने पर संगोष्ठी

28 नवंबर, 2024 को, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी में सहायक प्रोफेसर डॉ. मृणालिनी झा ने भारतीय श्रम बाजार में रोजगार के रुझान और काम पर लौटने पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ. झा ने कार्यबल भागीदारी के तीन चरणों पर चर्चा की:

1. **1993-94 से 2004-05**: जनसंख्या के साथ-साथ रोजगार में वृद्धि हुई, जिससे श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 65% पर स्थिर रही।

2. **2004-05 से 2017-18:** रोजगार स्थिर रहा और एलएफपीआर (LFPR) घटकर 52% रह गया।
3. **2017-18 के बाद**: रोजगार जनसंख्या की तुलना में तेजी से बढ़ा, जिससे 2021-22 तक एलएफपीआर (LFPR) बढ़कर 58% हो गया।

उन्होंने स्वरोजगार में वृद्धि, स्थिर मजदूरी और विशेष रूप से महिलाओं के बीच बिना मेहनताना वाले कार्यों के बढ़ने के साथ नौकरी की गुणवत्ता में गिरावट पर प्रकाश डाला। डॉ. झा ने यह भी बताया कि पारिवारिक आय में वृद्धि मजदूरी के बढ़ने के कारण नहीं हुई है, बल्कि इसलिए हुई है क्योंकि परिवार के अधिक सदस्य, विशेष रूप से महिलाएं, कम वेतन वाली नौकरियां कर रही हैं।

सेमिनार का समापन इस चर्चा के साथ हुआ कि श्रम बाजार की स्थिति को मापने के लिए केवल बेरोजगारी ही पर्याप्त नहीं है। इसमें नौकरियों की गुणवत्ता में सुधार पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जेंडर संवाद: जेंडर पहल के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना

6 सितंबर, 2024 को डीएवाई-एनआरएलएम (DAY-NRLM) और आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांचवें जेंडर संवाद में लगभग 3 लाख दर्शक आए। इस कार्यक्रम में लैंगिक हिंसा (GBV) से निपटने के लिए संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और प्रदान ने दूसरे वर्ष के अभियान के अपने अनुभव साझा किए, अगले अभियान के लिए ध्यान केंद्रित करने वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में जीबीवी (GBV) की स्वीकार्यता को चुनौती देने, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और जेंडर मानदंडों को बदलने के लिए पीढ़ियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने की रणनीतियों पर जोर दिया। प्रेरणा केंद्र और जेंडर संसाधन केंद्र जैसी पहलों ने समुदाय-संचालित, स्थानीय समाधानों की शक्ति का प्रदर्शन किया, साथ ही अंतर-मंत्रालयी सहयोग के लिए आह्वान किया। 32 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों (SRLMs), नीति निर्माताओं और सामुदायिक नेताओं के प्रतिभागियों ने जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया।

कार्यक्रम का समापन पंचायती राज मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, वरिष्ठ कानूनी और विकास विशेषज्ञों की पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिन्होंने कानूनी मुद्दों पर सामुदायिक संस्थानों को मजबूत करने और पंचायतों के साथ संबंध बनाने के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, इस बात पर भी जोर दिया गया कि जीबीवी (GBV) से निपटने के लिए और अधिक निवारक उपाय किए जाने की आवश्यकता है।

देखभाल में महिलाओं को सशक्त बनाना: बुजुर्गों की देखभाल के मॉडल पर आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) के गोलमेज सम्मेलन के मुख्य बिंदु

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और क्वांटम हब ने भारत में बुजुर्गों की देखभाल के नए मॉडल पर चर्चा करने के लिए एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। चर्चा में कुशल कार्यबल, किफायती तकनीक और देखभाल तक समान पहुंच की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। घर पर देखभाल को औपचारिक रूप देने, देखभाल करने वालों को प्रशिक्षित करने और कमजोर बुजुर्ग महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया गया। बुजुर्गों के लिए सुलभ और सम्मानजनक देखभाल प्रदान करने के संभावित समाधान के रूप में घर पर देखभाल के केरल मॉडल पर प्रकाश डाला गया।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना: द्वितीय लिंग संवाद में आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE)

सोना मित्रा ने यूएन वूमेन (UN Women) और नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास द्वारा आयोजित द्वितीय लिंग संवाद में भाग लिया, जिसमें व्यापक देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए नीतियों को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।द्वितीय लिंग संवाद 14 सितंबर, 2024 को आयोजित किया गया था।

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) महिला आर्थिक सशक्तिकरण (WEE) को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न भागीदारों के साथ काम करके, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) का लक्ष्य एक ऐसी देखभाल प्रणाली बनाने में मदद करना है जो महिलाओं को सशक्त बनाती है और समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

अभी देखें

"मजबूत समुदायों का निर्माण: महिलाएं और स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र' पर व्यावहारिक चर्चा"

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) में SWAYAM की सह-प्रबंधक मौमिता सरकार ने 30 जुलाई, 2024 को सामाजिक सुरक्षा और जेंडर आधारित हिंसा पर एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय महिला आयोग, एनडीएमए (NDMA) और यूएन वूमेन (UN Women) द्वारा किया गया था। इसमें महिलाओं को सहायता देने में डीएवाई-एनआरएलएम (DAY-NRLM) की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। मौमिता ने जेंडर आधारित कार्यक्रमों को डिजाइन करने के महत्व के बारे में बात की और उन प्रायोगिक पहलों पर जानकारी साझा की जिनका उद्देश्य जेंडर भूमिकाओं को बदलना है। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने और सामुदायिक संगठनों को मजबूत करने के लिए बेहतर समन्वय और मानक प्रशिक्षण संसाधनों की आवश्यकता पर जोर दिया।

एशिया-प्रशांत केयर फोरम: क्षेत्र में देखभाल के भविष्य को आकार देना

बैंकॉक में आयोजित दूसरे एशिया प्रशांत केयर फोरम ने देखभाल को केंद्र में रखकर अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देने के लिए हितधारकों को एकजुट किया। आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की वरिष्ठ नीति प्रबंधक श्रुति कुट्टी ने एशिया-प्रशांत में देखभाल प्रणालियों को बदलने पर केंद्रित एक सत्र का सह-संचालन किया। सत्र से प्राप्त महत्वपूर्ण विचारों को एक पूर्ण चर्चा में प्रस्तुत किया गया, जिसमें देखभाल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को सशक्त बनाने में अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

महिलाओं के रोजगार को आकार देना: राष्ट्रीय संगोष्ठी में आई.डब्ल्यू. डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) के महत्वपूर्ण विचार

भारत में महिलाओं और रोजगार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 3 से 5 सितंबर, 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में आयोजित की गई, जिसमें कार्यबल में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ एकत्रित हुए। आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की वरिष्ठ शोध फेलो बिदिशा मोंडल ने शोध साझा किया, जिसमें श्रम बाजार में महिलाओं के कम उपयोग का अध्ययन करते समय केवल बेरोजगारी से परे तथ्यों पर विचार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी में सरकारी सर्वेक्षणों की कमियों और कार्यस्थल में चल रहे जेंडर भेदभाव पर भी चर्चा की गई।

देखभाल अर्थव्यवस्था के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना: आई.डब्ल्यू. डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और फ्रेडरिक-एबर्ट-स्टिफ्टंग (एफईएस) इंडिया के नीतिगत परामर्श से प्राप्त विचार

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और महिला विकास अध्ययन केंद्र (CWDS) ने एफईएस (FES) इंडिया के साथ अल्पकालिक परामर्श के भाग के रूप में "समावेशी विकास और महिला सशक्तिकरण पर आधारित देखभाल अर्थव्यवस्था: अनुशंसित मार्ग" नामक एक रिपोर्ट लिखी। आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) की वरिष्ठ नीति प्रबंधक श्रुति कुट्टी ने 29 सितंबर से 1 अक्तूबर, 2024 तक बेंगलुरु में आयोजित "अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना: देखभाल कार्य पर नीतिगत परामर्श" कार्यक्रम में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम का आयोजन एफईएस (FES) और विमेंस वॉयस (Women's Voice) द्वारा किया गया था।

इंडिया जेंडर रिपोर्ट, 2024

फेमिनिस्ट पॉलिसी कलेक्टिव ने हाल ही में इंडिया जेंडर रिपोर्ट 2024 लॉन्च की, जो परिवर्तनकारी फेमिनिस्ट वित्त के दृष्टिकोण से लिंग आधारित आर्थिक, अतिरिक्त-आर्थिक और गैर-आर्थिक स्थिति के आवश्यक पहलुओं की जांच करती है। IWWAGE ने रिपोर्ट में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सोना मित्रा और मृदुस्मिता बोरडोलोई ने भारत में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी के रुझानों पर एक अध्याय सह-लेखित किया। यह अध्याय भारत में लगातार कम महिला श्रम बल भागीदारी दर (FLFPR) के पीछे के कारकों की जांच करता है और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार की प्रकृति को प्रस्तुत करता है। यह उन मुद्दों को उजागर करता है जैसे कि महिलाएं घरेलू और देखभाल जिम्मेदारियों के लिए जो असमान मात्रा में समय समर्पित करती हैं, गतिशीलता, शैक्षिक विकल्पों, विवाह के बाद की जिम्मेदारियों के चारों ओर प्रतिबंधात्मक लिंग मानदंड, और नियोक्ताओं द्वारा भेदभावपूर्ण भर्ती प्रथाएं।

इसके अतिरिक्त, राधा चेलेप्पा ने नारीवादी नीति सामूहिक की पांचवीं पूर्व-बजट परामर्श के तहत "बजट विविध महिलाओं की रोजगार वृद्धि को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका विषय था "भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाएं: जीत, दुख और आगे के रास्ते"।

साझेदारी प्रदर्शन

एडब्ल्यूई नेटवर्क

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) का ध्यान महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करने पर है। एडब्ल्यूई (AWE) नेटवर्क का हिस्सा बनकर, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई.(IWWAGE) महिला उद्यमियों और उनके समूहों का समर्थन करता है, उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं और विकास के अवसरों में समान रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

वूमेनलीड इंडिया एलायंस

"वूमेनलीड इंडिया अलायंस" के साथ साझेदारी, व्यवसाय, परोपकार और विकास में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है, जिससे जेंडर समानता को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

बीआरएसी

बीआरएसी (BRAC) के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से, आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) परियोजना के सभी पहलुओं में जेंडर को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, तथा यह सुनिश्चित करेगा कि सबसे गरीब लोगों की जरूरतों को जेंडर-संवेदनशील तरीके से पूरा किया जाए।

मैकआर्थर

मैकआर्थर फाउंडेशन से वित्तीय सहायता प्राप्त कर हम यह समझने के लिए एक अध्ययन कर रहे हैं कि इस मंच में भागीदारी करने से महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनने तथा उनकी समग्र निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने में किस प्रकार मदद मिल रही है।

नीतिगत विकास सलाहकार समूह (पीडीएजी)

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और पीडीएजी (PDAG) जलवायु परिवर्तन, पलायन और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर ज्ञान को आगे बढ़ाने, नीति को आकार देने और संचार पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

यूएनडीपी

आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) और यूएनडीपी (UNDP) सुधार प्रयासों को बेहतर बनाने और देखभाल अर्थव्यवस्था के बारे में साक्ष्य एकत्र करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। आई.डब्ल्यू.डब्ल्यू.ए.जी.ई. (IWWAGE) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के साथ यूएनडीपी (UNDP) परियोजना के लिए तकनीकी सलाह प्रदान करने की परामर्श श्रृंखला का एक हिस्सा है, जिसका विषय है "मजबूत शहरी देखभाल प्रणाली के माध्यम से महिला श्रम बल भागीदारी को बढ़ावा देना।"

If you are unable to access any document,
please visit our resouce section at:

https://iwwage.org/resources-publications

IWWAGE
Institute for What Works to Advance Gender Equality

LEAD LEVERAGING EVIDENCE FOR ACCESS AND DEVELOPMENT
KREA UNIVERSITY

IWWAGE is an initiative of LEAD at Krea University, an action-oriented research centre housed at the Institute for Financial Management and Research (IFMR), a not-for-profit society which is also the Sponsoring Body of Krea University

M-6, 2nd Floor, Hauz Khas, New Delhi–110016, India